



Sachin



Sona

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120900301

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
21/04/1994 :	जन्म तिथि	: 11/11/2000
गुरुवार :	दिन	: शनिवार
घंटे 20:00:00 :	जन्म समय	: 20:45:00 घंटे
घटी 34:49:57 :	जन्म समय(घटी)	: 35:15:10 घटी
India :	देश	: India
Dhar :	स्थान	: Indore
22:32:00 उत्तर :	अक्षांश	: 22:42:00 उत्तर
75:24:00 पूर्व :	रेखांश	: 75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:28:24 :	स्थानिक संस्कार	: -00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:04:01 :	सूर्योदय	: 06:37:10
18:50:45 :	सूर्यास्त	: 17:43:44
23:46:52 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:51:51
तुला :	लग्न	: मिथुन
शुक्र :	लग्न लग्नाधिपति	: बुध
सिंह :	राशि	: मेष
सूर्य :	राशि-स्वामी	: मंगल
मघा :	नक्षत्र	: भरणी
केतु :	नक्षत्र स्वामी	: शुक्र
3 :	चरण	: 3
वृद्धि :	योग	: वरियान
वणिज :	करण	: बव
मू-मुकेश :	जन्म नामाक्षर	: ले-लेखा
वृष :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृश्चिक
क्षत्रिय :	वर्ण	: क्षत्रिय
वनचर :	वश्य	: चतुष्पाद
मूषक :	योनि	: गज
राक्षस :	गण	: मनुष्य
अन्त्य :	नाड़ी	: मध्य
मूषक :	वर्ग	: मृग

## ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी  
केतु 2वर्ष 4मा 1दि  
चन्द्र

23/08/2022

22/08/2032

चन्द्र	23/06/2023
मंगल	22/01/2024
राहु	23/07/2025
गुरु	22/11/2026
शनि	23/06/2028
बुध	22/11/2029
केतु	23/06/2030
शुक्र	22/02/2032
सूर्य	22/08/2032

अंश

23:42:25
07:28:31
08:52:44
11:32:03
27:48:44
17:06:49
00:31:48
15:35:53
00:12:36
00:12:36
02:31:35
29:33:54
03:36:29

राशि

तुला
मेष
सिंह
मीन
मीन
तुला व
वृष
कुंभ
वृश्चि व
वृष व
मक
धनु
वृश्चि व

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु व
शुक्र
शनि व
राहु व
केतु व
हर्ष
नेप
प्लूटो

राशि

मिथु
तुला
मेष
कन्या
तुला
वृष
धनु
वृष
मिथु
धनु
मक
मक
वृश्चि

अंश

11:44:32
25:40:28
22:23:54
10:46:52
07:09:53
14:27:32
04:23:08
04:15:58
23:13:57
23:13:57
23:08:25
10:07:52
18:00:00

विंशोत्तरी

शुक्र 6वर्ष 4मा 25दि  
मंगल

08/04/2023

08/04/2030

मंगल	04/09/2023
राहु	22/09/2024
गुरु	28/08/2025
शनि	07/10/2026
बुध	04/10/2027
केतु	02/03/2028
शुक्र	02/05/2029
सूर्य	07/09/2029
चन्द्र	08/04/2030

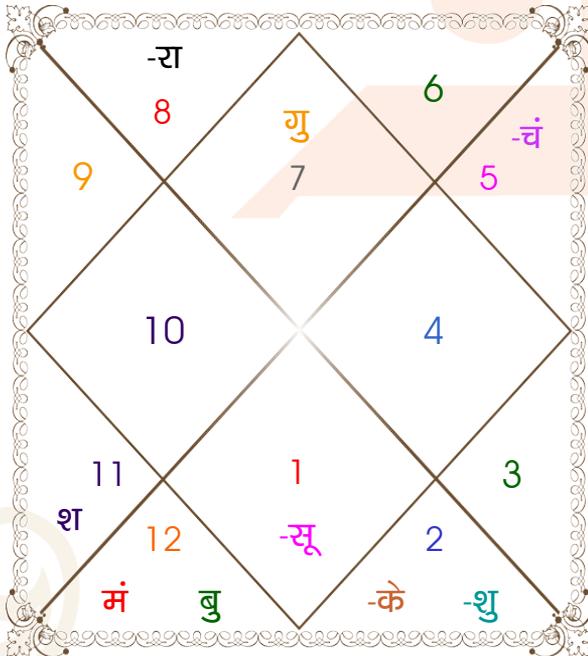
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

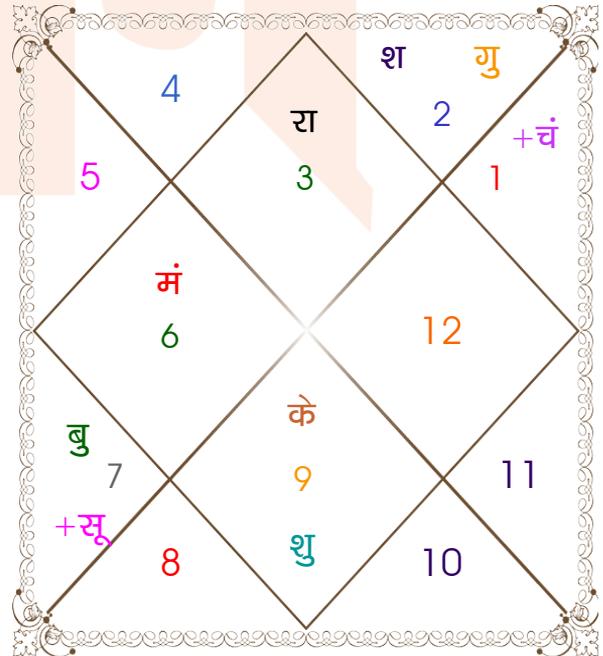
राहु : स्पष्ट

23:46:52 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:51

लग्न-चलित



लग्न-चलित

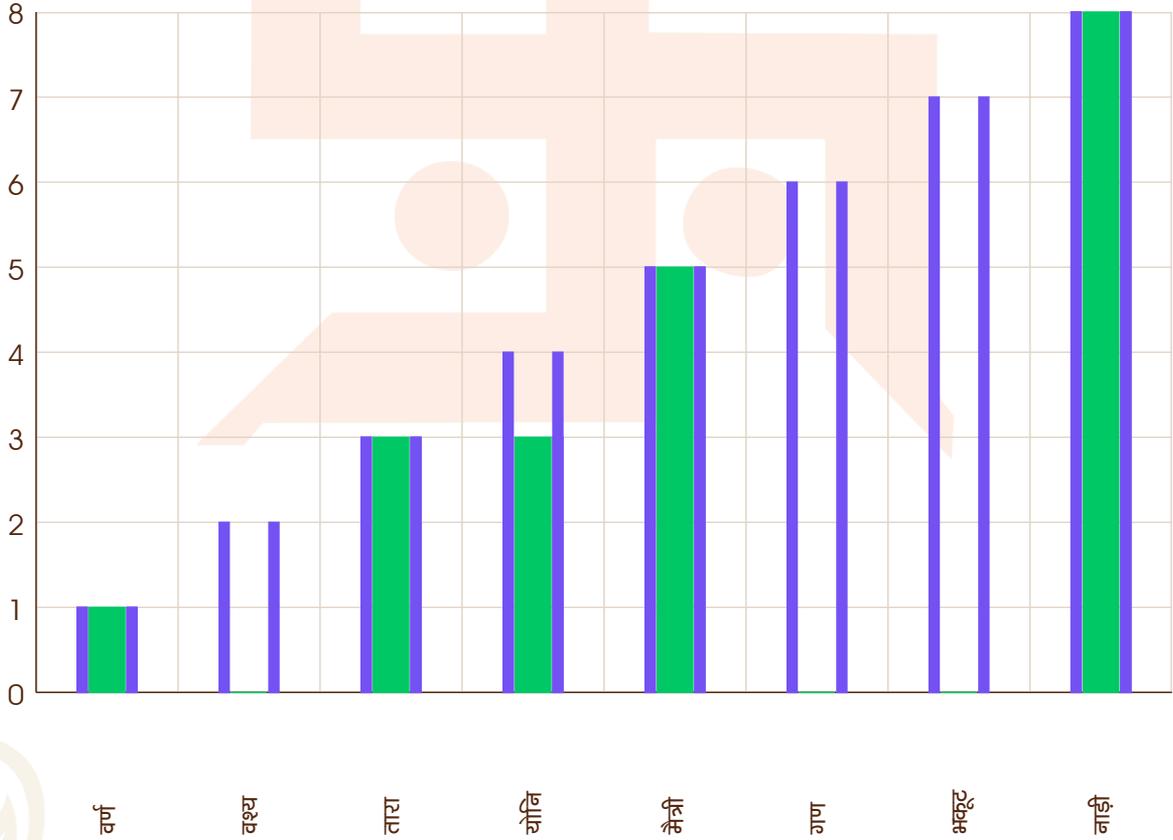


श्री चंचला ज्योतिष एवं अनुष्ठान केंद्र  
बी-350 गिरिराज रतन कॉलोनी उज्जैन मध्य प्रदेश  
+919340201506,7024210124  
कार्तिक जोशी Panditkartikj@gmail.com

## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाडी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>20.00</b>		

कुल : 20 / 36



## अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।  
भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।  
बीपद का वर्ग मूषक है तथा Sona का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।  
अष्टकूट मिलान के अनुसार बीपद और Sona का मिलान शुभ है।

### मंगलीक दोष मिलान

बीपद मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।  
Sona मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।  
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।**

वर या कन्या की कुण्डली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुण्डली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल बीपद की कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

बीपद तथा Sona में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

## अष्टकूट फलादेश

### वर्ण

बीपद का वर्ण क्षत्रिय तथा Sona का वर्ण भी क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों ही दम्पति अति ऊर्जावान, साहसी, उद्यमी होंगे साथ ही दोनों एक-दूसरे के साथ सद्भाव एवं प्रेम से जीवन बितायेंगे। इसके अतिरिक्त समय-समय पर एक-दूसरे की सहायता से सुखी एवं समृद्ध परिवार का निर्माण करने में योगदान देते रहेंगे।

### वश्य

बीपद का वश्य वनचर है एवं Sona का वश्य चतुष्पद है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। वनचर हमेशा चतुष्पद के लिए खतरा होता है। जब भी वनचर को मौका मिलता है वह चतुष्पद को अपना शिकार बना लेता है। वनचर बीपद एवं चतुष्पद Sona का विवाह अच्छा साबित होने में संदेह है। बीपद निर्दयी, क्रूर, वर्चस्वशाली एवं चतुर होगा तथा अपनी पत्नी को नौकरानी की भांति समझेगा। वह Sona को नीचा दिखाने का कोई अवसर नहीं चूकेगा। अक्सर वह अपनी पत्नी के साथ क्रूर व्यवहार कर सकता है तथा संभव है Sona को अक्सर उसका दुर्व्यवहार सहना पड़े।

### तारा

बीपद की तारा अतिमित्र तथा Sona की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। बीपद हमेशा Sona के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

### योनि

बीपद की योनि मूषक है तथा Sona की योनि गज है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में

सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

### मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में बीपद एवं Sona दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि बीपद एवं Sona के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण बीपद एवं Sona जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

### गण

बीपद का गण राक्षस है तथा Sona का गण मनुष्य है। अर्थात् Sona का गण बीपद के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

### भकूट

बीपद से Sona की राशि नवम भाव में स्थित है तथा Sona से बीपद की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। बीपद की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

### नाड़ी

बीपद की नाड़ी अन्त्य है तथा Sona की नाड़ी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

## मेलापक फलित

### स्वभाव

बीपद की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त सिंह तथा Sona की भी अग्नितत्व युक्त मेष राशि है। अग्नितत्व में समानता होने के कारण बीपद और Sona की परस्पर स्वाभाविक समानता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन शांति पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

बीपद की जन्म राशि का स्वामी सूर्य तथा Sona की राशि का स्वामी मंगल दोनों परस्पर मित्र राशियों में स्थित हैं। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने के लिए यह स्थिति सुखद रहेगी। इसके प्रभाव से बीपद और Sona एक दूसरे के गुणों से आकर्षित रहेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। साथ ही एक दूसरे के प्रति सम्मान जनक समर्पण की भावना रहेगी तथा एक दूसरे के आस्तित्व को पूर्ण स्वीकार करेंगे। इसके अतिरिक्त बीपद और Sona एक दूसरे का पूर्ण ध्यान रखेंगे जिससे परस्पर गहन मित्रता का भाव बना रहेगा।

बीपद और Sona की राशियां परस्पर नवम एवं पंचम भाव में पड़ती हैं। इसके प्रभाव से दोनों के मन में यदा कदा एक दूसरे के प्रति ईर्ष्या की भावना उत्पन्न होगी तथा अभिमान के भाव में भी प्रबलता आएगी फलतः परस्पर वैमनस्य के भाव की उत्पत्ति होगी। इससे दाम्पत्य जीवन में अशांति तथा असुविधा का बीपद और Sona को सामना करना पड़ेगा। यदि बीपद और Sona उपरोक्त भावनाओं का यत्न पूर्वक परित्याग कर सकें तो उनके जीवन में खुशी तथा शांति बनी रह सकती है।

बीपद का वश्य वनचर तथा Sona का वश्य चतुष्पद है। नैसर्गिक रूप से वनचर एवं चतुष्पद में असमानता का भाव होता है अतः बीपद और Sona की अभिरुचियां अलग अलग होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे को काम चेष्टाओं में भी प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

बीपद और Sona दोनों का वर्ण क्षत्रिय है। अतः दोनों की कार्य क्षमता बराबर रहेगी तथा पराकमी एवं साहसी कार्यों को करने के लिए तत्पर रहेंगे जिससे कार्य क्षेत्र में सुदृढ़ता रहेगी।

### धन

बीपद का जन्म अतिमित्र तथा Sona का सम्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभाव से Sona एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा Sona के शुभ प्रभाव से उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर सम रहेगा। अतः स्वपरिश्रम से ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार बीपद और Sona आरामदायक जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

बीपद और Sona को लाटरी, सट्टे या अन्य स्रोतों से अनायास धन प्राप्ति की

संभावना होगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक संसाधनों का वे उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने में समर्थ होंगे।

### स्वास्थ्य

सैबीपद की नाड़ी अन्त्य तथा Sona की नाड़ी मध्य है। अतः इन पर नाड़ी दोष का कोई प्रभाव नहीं होगा तथा स्वास्थ्य इस ओर से सामान्य रहेगा परन्तु मंगल के प्रभाव सैबीपद का स्वास्थ्य प्रभावित होगा एवं समय समय पर वे हृदय रोग संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे। साथ ही पित्त या रक्त संबंधी कष्ट की भी अनुभूति होगी। धातु संबंधी रोगों का भी सैबीपद पर प्रभाव रहेगा एवं संभोग क्रिया में भी उन्हें शिथिलता का आभास होगा जिससे दाम्पत्य जीवन में कलह तथा अशांति उत्पन्न हो सकती है। अतः उपरोक्त दोषों में न्यूनता लाने के लिए सैबीपद को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए। इसके अतिरिक्त मूंगा धारण करना भी सैबीपद के लिए श्रेयस्कर रहेगा।

### संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव सैबीपद और Sona को उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगा तथा कन्या संतति की अपेक्षा पुत्र संतति अधिक रहेगी।

प्रसव संबंधी कष्ट के लिए आप को किसी भी प्रकार की चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है। इनका प्रसव सामान्य रूप से सम्पन्न होगा तथा इससे संबंधित कोई भी समस्या नहीं होगी। Sona सुंदर एवं स्वस्थ बच्चों को जन्म देंगी तथा स्वयं भी पूर्ण रूपेण स्वस्थता की अनुभूति करेंगी। इससे सैबीपद और उसके परिवार के सभी सदस्य प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

सैबीपद और Sona की संततियां व्यवहारकुशल एवं माता पिता के लिए आज्ञाकारी रहेंगी तथा अपने बच्चों की प्रगति से दोनों सन्तुष्टि एवं आनंद की अनुभूति करेंगे। साथ ही कार्य क्षेत्र में भी वे स्वपरिश्रम योग्यता एवं बुद्धिमत्ता से उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे। उनके उत्कृष्ट कार्य कलापों सैबीपद और Sona अपने आप को भाग्यशाली समझेंगे। इनकी संततियां कभी भी उनकी इच्छा के विपरीत कोई भी कार्य नहीं करेंगी जिससे माता पिता को उन पर गर्व रहेगा। इस प्रकार सुंदर, आज्ञाकारी एवं बुद्धिमान संतति से युक्त होकर सैबीपद और Sona का पारिवारिक जीवन सुख शांति एवं आनंद से व्यतीत होगा।

### ससुराल-सुश्री

Sona के सास से संबंधों में मधुरता के भाव की सामान्यतया न्यूनता ही रहेगी तथा अपनी सास के साथ सामंजस्य स्थापित करने में उनको काफी कठिनाई तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। अतः उनसे संबंधों में मधुरता लाने के लिए Sona को धैर्य तथा बुद्धिमत्ता का परिचय देना चाहिए तथा अपने समस्त कार्य कलापों को सक्रियता से सम्पन्न करना चाहिए।

साथ ही ससुर से भी Sona को समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी तथा उन्हें

प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। ननद एवं देवरों से भी Sona के संबंधों में तनाव का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी फलतः परस्पर प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Sona का ससुराल के लोगों से अच्छे संबंध नहीं रहेंगे जिससे यदा कदा वे असुविधा की अनुभूति कर सकती हैं।

### ससुराल-श्री

बीपद तथा उनकी सास के आपसी संबंधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबंधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में बीपद के संबंध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वहाँ बीपद को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही बीपद के संबंध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण बीपद के प्रति अनुकूल ही रहेगा।